पश्चिमी विक्षोभ से उत्तर प्रदेश में बारिश की संभावना

चर्चा में क्यों?

भारती मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में **दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, तूफान तथा ओलावृष्टि** साथ ही पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में तीव्र बर्फबारी होने की संभावना है।

मुख्य बिंदु:

- सक्रिय **पश्चिमी विक्षोभ** से उत्तर-पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों में अलग-अलग **मौसम की स्थिति देखी** जाने की उम्मीद है।
- पश्चिमी विक्षोभ के कारण सामान्य मौसम प्रारूप में महत्त्वपूर्ण बदलाव होने की उम्मीद है तथा समुदायों को इन परिवर्तनों के लिये तैयार रहने की सलाह दी जाती है।
  - अधिकारियों से सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये किसी भी आवश्यक उपाय हेतु तैयार रहने का आग्रह किया गया है।

पश्चिमी विक्षोभ:

- पश्चिमी विक्षोभ **चक्रवाती तूफानों** की एक शृंखला है जो **भूमध्यसागरीय क्षेत्र** में उत्पन्न होते हैं, ये 9,000 किमी. से अधिक की दूरी तय करके भारत में पहुँचते हैं। यह उत्तर-पश्चिम भारत में शीत ऋतु में वर्षा के लिये उत्तरदायी है।
  - पश्चिमी विक्षोभ **भूमध्य सागर, काला सागर और** कैस्पियन सागर **से आर्द्रता एकत्र करता है तथा पश्चिमी हिमालय पर्वत से टकराने से पहले ईरान एवं अफगानिस्तान के ऊपर से गुज़रता है।**
- जबकि तूफान प्रणाली पूरे वर्ष में मौजूद होती है, वे मुख्य रूप से **दिसंबर और अप्रैल के बीच भारत को प्रभावित करते हैं क्योंकि उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम का प्रक्षेपवक्र** शीत ऋतु के महीनों के दौरान हिमालय क्षेत्र में स्थानांतरित हो जाता है।
  - जेट स्ट्रीम हिमालय के ऊपर से पूरे वर्ष **तिब्बत के पठार और चीन की ओर प्रवाहित होती है**। इसका प्रक्षेपवक्र सूर्य की स्थिति से प्रभावित होता है।
- **भारत के लिये महत्त्व:**
  - **पश्चिमी विक्षोभ हिमपात का प्राथमिक स्रोत है** जो शीत ऋतु के दौरान **हिमालय के ग्लेशियरों** में वृद्धि करता है।
    - **ये ग्लेशियर** गंगा**, सिंधु और यमुना जैसी प्रमुख हिमालयी नदियों के साथ-साथ असंख्य पर्वतीय झरनों** और नदियों का पोषण करते हैं।
  - ये कम दबाव वाली तूफान प्रणालियाँ भारत में **किसानों को** रबी फसल **उगाने में मदद करती हैं।**
- **समस्याएँ:**
  - **पश्चिमी विक्षोभ हमेशा अच्छे मौसम के अग्रदूत नहीं होते हैं।** कभी-कभी पश्चिमी विक्षोभ **बाढ़, फ्लैश फ्लड,** भूस्खलन**, धूल भरी आँधी, ओलावृष्टि और शीतलहर जैसी चरम मौसम की घटनाओं** का कारण बन सकते हैं, बुनियादी ढाँचे को नष्ट कर सकते हैं, साथ ही जीवन तथा आजीविका को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग

- IMD की **स्थापना वर्ष 1875** में हुई थी। यह देश की **राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा** है और **मौसम विज्ञान एवं संबद्ध विषयों से संबंधित** सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है।
- यह भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक एजेंसी के रूप में कार्य करती है।**
- इसका मुख्यालय **नई दिल्ली में** है।
- **IMD** विश्व मौसम विज्ञान संगठन **के छह क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्रों में से एक है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/western-disturbances-to-bring-rain-to-uttar-pradesh